रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-72 REGISTERED No. D. (D.N.)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 531] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 18, 1986/अग्रहायण 27, 1908
No. 531 NEW DELHI, THURSDAY, DEC. 18, 1986/AGRAHAYANA 27, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1986

अधिसूचना

का.आ. 924(अ):—केन्द्रीय सरकार की राय है कि नागालैंड राज्य के पांच किलोमीटर के संपूर्ण क्षेत्र और उसके साथ की अंतरराष्ट्रीय सीमा तक विस्तारित क्षेत्र और संघ राज्य क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश का तिराप जिला ऐसी खतरनाक स्थिति में है, कि सिविल शक्ति की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक है:

अतः केन्द्रीय सरकार, सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (1958 का 28) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 433 (अ), तारीख 17 जून, 1972 और सं. का.आ. 780(अ), तारीख 18 अक्तूबर, 1985 को अधिक्रांत करते हुए, उक्त संपूर्ण क्षेत्र को उपद्रवग्रस्त क्षेत्र घोषित करती है।

[फा.सं. 10/12/86-एन.ई.(I)]

आर. वासुदेवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 18th December, 1986

NOTIFICATION

S.O. 924(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the whole of the area of the five kilometers along and extending upto the international boundary adjoining the State of Nagaland and the Tirap district in the Union territory of Arunachal Pradesh is in such a dangerous condition that the use of armed forces in aid of the civil power is necessary;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 (28 of 1958), and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 433(E), dated the 17th June, 1972 and No. S.O. 780 (E) dated the 18th October, 1985, the Central Government hereby declares the whole of the said area to be a disturbed area.

[F. No. 10|12|86-NE. I]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1986